।। ॐ अर्हन् ।।

श्री तिलोकरत्न स्थानकवासी जैन धार्मिक परीक्षा बोर्ड

आचार्य श्री आनंदऋषिजी महाराज मार्ग, अहमदनगर – ४१४००१ (महाराष्ट्र)

जैन सिद्धान्त प्रवेशिका

वीर संवत् २५५० **द्वितीय खण्ड – मौखिक**

सन् २०२३ **समय : सुबह ९ से १२** **सम्पूर्णांक : ५०**

परीक्षा क्रमांक : ..... **केन्द्र का नाम : .....**

(जैन पाठावली – भाग ५)

प्रश्न १. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए। **(५)**

१. ..... की है सारी दुनिया, हमने सारा जग छान लिया।
२. सत्य प्राणों से प्यारा, ... का सहारा।
३. जिनशासन की नींव है, प्यारा धर्म .....।
४. ..... सहयोग की बात का कर दो वमन।
5. ..... makes us very strong.

प्रश्न २. सही है या गलत पहचानिए। **(५)**

१. God's Important tool is time. .....
२. A Stitch in time saves Nine. .....
३. गणधरों के पांच कल्याणक होते हैं। .....
४. अपने वचन पर दृढ रहना चाहिए। .....
५. तृष्णा का कोई अंत नहीं है। .....

प्रश्न ३. ये कौन है, पहचानकर बताइए। **(५)**

१. राष्ट्रपति बनने पर घर से २ बैग लेकर आनेवाले – .....
२. मन को दृढ कर एकन्नी वापस लौटानेवाले – .....
३. पाटण में कत्तलखाने बंद करानेवाले – .....
४. सच बताकर इनाम नहीं लेनेवाले – .....
५. सत्य को भगवान माननेवाले – .....

प्रश्न ४. निम्नलिखित वाक्य किसने कहे है, बताइए। **(५)**

१. वह देखो सामने से बारात आ रही है। .....
२. इसे कल के लिए रख लीजिए। .....
३. मैं अपने वचन पर अडिग हूं। .....
४. यह टोकरी पहले गन्दी थी। .....
५. बेटा! सावधान रहना। .....

प्रश्न ५. ग्यारहवां बोल पूर्ण बोलिए। (५)

प्रश्न ६. घाति कर्म किसे कहते है, वे कितने हैं और कौन–से, बताइए। (५)

प्रश्न ७. 'प्राणा यथात्मनोऽभीष्टा.....' सुभाषित अर्थसहित पूर्ण बोलिए। (५)

प्रश्न ८. 'अपने को गुणवान करो' कविता पूर्ण बोलिए। (५)

प्रश्न ९. नीचे के चित्र किस कर्म से संबंधित है, पहचानिए। (१०)

.....

.....

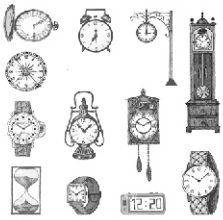

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

।। ॐ अर्हन् ।।

श्री तिलोकरत्न स्थानकवासी जैन धार्मिक परीक्षा बोर्ड

आचार्य श्री आनंदऋषिजी महाराज मार्ग, अहमदनगर – ४१४००१ (महाराष्ट्र)

जैन सिद्धान्त प्रवेशिका

वीर संवत् २५५० **द्वितीय खण्ड – लेखी**

सन् २०२३ **समय : सुबह ९ से १२** **सम्पूर्णांक : १००**

परीक्षा क्रमांक : ..... **केन्द्र का नाम : .....**

(जैन पाठावली – भाग ५)

प्रश्न १. ये कौन है, पहचानकर लिखिए। **(१०)**

१. लोगों को सही ज्ञान प्रदान करनेवाले सच्चे मार्गदर्शक – .....
२. राष्ट्रपति बनने पर घर से २ बैग लेकर आनेवाले – .....
३. साथियों के संग चोरी करने के लिए जानेवाला – .....
४. मन को दृढ कर एकन्नी वापस लौटानेवाले – .....
५. हर साल दान देने की घोषणा करनेवाले – .....
६. जुए सट्टे का अड्डा बंद करानेवाली – .....
७. पाटण में कत्तलखाने बंद करानेवाले – .....
८. सच बताकर इनाम नहीं लेनेवाले – .....
९. सत्य को भगवान माननेवाले – .....
१०. सुघड लिखाई करवानेवाला – .....

प्रश्न २. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए। **(११)**

१. ..... की है सारी दुनिया, हमने सारा जग छान लिया।
२. ..... को अपनाकर ही, अच्छे बच्चे कराना तुम।
३. प्रणाम हो, प्रणाम हो, परमोपकारी गुरु ..... को।
४. काली होती हैं ..... किंतु वह, देती दूध लाभकारी।
५. Faith is the bird that feels the .....
६. ..... प्राणों से प्यारा, जिनशासन का सहारा।
७. ..... सहयोग की बात का कर दो वमन।
८. ..... की नींव है, प्यारा धर्म अहिंसा।
९. ..... makes us very strong.
१०. चलते चलेंगे और ..... रहेंगे।
११. ..... is a Priceless.

प्रश्न ३. सही है या गलत पहचानिए। **(९)**

१. अपने स्वार्थ के लिए किसी को तकलिफ देनी चाहिए। .....
२. आचरण के लिए शास्त्रों में 'ब्रम्हचर्य' शब्द आता है। .....
३. गुरु दिखाई देते ही ज्ञानमुद्रा में हाथ जोडने चाहिए। .....
४. हमें जरूरतमंद व्यक्ति को सहायता करनी चाहिए। .....

५. God's Important tool is time. .....

६. A Stitch in time saves Nine. .....

७. गणधरों के पांच कल्याणक होते हैं। .....

८. अपने वचन पर दृढ रहना चाहिए। .....

९. तृष्णा का कोई अंत नहीं है। .....

प्रश्न ४. ये नियम किस अभिग्रह में आते हैं, पहचानकर लिखिए। **(५)**

१. गुरु दिखाई देते ही हाथ जोडकर मत्थएण वंदामि कहना – .....

२. अपने हाथ में रही कच्ची सुपारी को दूर रखना – .....

३. शरीर पर रहे आभुषणों को उतारकर रखना – .....

४. गुरु के सामने खुले मुंह बात नहीं करना – .....

५. तल्लीनता से प्रवचन श्रवण करना – .....

प्रश्न ५. निम्नलिखित वाक्य किसने किससे कहे, लिखिए। **(१०)**

१. वह देखो सामने से बारात आ रही है। .....

२. इसे कल के लिए रख लीजिए। .....

३. मैं अपने वचन पर अडिग हूं। .....

४. यह टोकरी पहले गन्दी थी। .....

५. बेटा! सावधान रहना। .....

प्रश्न ६. सुभाषित के अर्थ को पूर्ण कीजिए। **(१०)**

१. किसी दूसरे की वस्तु की कामना न करने को बुद्धिमान लोग ..... कहते है।

२. मेरू पर्वत की तरह जो व्यक्ति है, उसे ..... पलभर में खत्म कर सकता है।

३. आठ अंगों से किया हुआ प्रणाम अष्टांग ..... कहा जाता है।

४. हमारे माता-पिता और मित्र, तीनों हमारे ..... के लिए सोचते हैं।

५. मृत्यु तथा ..... दोनों एक ही देह में निवास करते हैं।

६. अपने उपार्जित धन के अनुरूप ही ..... करनी चाहिए।

७. हमेशा सच और ..... बोलना चाहिए।

८. ..... ही सर्वोत्तम आत्म-संयम है।

९. ..... की ही पूजा करनी चाहिए।

१०. ..... के पांच लक्षण होते हैं।

११. ..... जैसा मित्र नहीं है।

प्रश्न ७. निम्नलिखित नंबर के गुणस्थानों के नाम एवं उसकी एक विशेषता लिखिए। **(१०)**

१. १३ वां .....
.....

२. ५ वां .....
.....

३. १२ वां .....

.....

४. ७ वां .....

.....

५. ३ रा .....

.....

प्रश्न ८. घाति कर्म किसे कहते है, वे कितने हैं और कौन–से हैं, लिखिए। **(४)**

.....

.....

.....

.....

.....

.....

प्रश्न ९. निम्नलिखित पदों की परिभाषा लिखिए। **(१०)**

१. गुणस्थान .....

.....

२. मिथ्यात्व .....

.....

३. गोत्र कर्म .....

.....

४. आयुष्य कर्म .....

.....

५. मोहनीय कर्म .....

.....

प्रश्न १०. प्रतिदिन दोहराने के संकल्प लिखिए। **(५)**

.....

.....

.....

.....

.....

प्रश्न ११. 'प्राणा यथात्मनोऽभीष्टा.....' सुभाषित अर्थसहित पूर्ण लिखिए। **(५)**

.....

.....

.....

.....

.....

.....

प्रश्न १२. नीचे के चित्र किस कर्म से संबंधित है, पहचानिए। (१०)

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

।। ॐ अर्हन् ।।

श्री तिलोकरत्न स्थानकवासी जैन धार्मिक परीक्षा बोर्ड

आचार्य श्री आनंदऋषिजी महाराज मार्ग, अहमदनगर – ४१४००१ (महाराष्ट्र)

जैन सिद्धान्त प्रवेशिका

वीर संवत् २५४९ **तृतीय खण्ड – मौखिक**

सन् २०२३ **समय : सुबह ९ से १२** **सम्पूर्णांक : ५०**

परीक्षा क्रमांक : ..... **केन्द्र का नाम : .....**

(जैन पाठावली – भाग ६)

प्रश्न १. एक शब्द में जवाब बताइए। **(५)**

१. किसकी बात सुनकर कैप्टन कुक दंग रह गये? .....

२. श्रावकजी का तीसरा गुण कौनसा है? .....

३. श्रावक किसका रसिक होता है? .....

४. राम को क्या कहा जाता है? .....

५. शक्कर का गुण क्या है? .....

प्रश्न २. सही या गलत पहचानिए। **(५)**

१. तीर्थंकर के दाहिने पैर के अंगूठे पर लाञ्छन होता है। .....

२. सौम्य व्यक्ति में जीव के प्रति वैरभाव होता है। .....

३. क्षुद्र व्यक्तिमत्व धर्म करता है। .....

४. श्रावक १२ व्रतधारी होता है। .....

५. सम्यक्त्व के पांच तत्त्व है। .....

प्रश्न ३. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए। **(५)**

१. बीजी प्रार्थना ..... निरंजन, भंजन भव भव फेरा।

२. तन-मन-धन से, सब पीडा हरे ..... है वह।

३. ..... है धर्म हमारा, केवली यह फरमाते हैं।

४. ओ ..... तू समझ जरा।

५. ..... का करे स्मरण।

प्रश्न ४. निम्नलिखित तत्त्वों के भेदों की संख्या बताइए। **(५)**

१. अजीव तत्त्व .....

२. आश्रव तत्त्व .....

३. निर्जरा तत्त्व .....

४. पुण्य तत्त्व .....

५. मोक्ष तत्त्व .....

प्रश्न ५. तीर्थंकर की कोई भी ५ विशेषताएं बताइए। **(५)**

.....

.....

.....

.....

.....

प्रश्न ६ 'न तथा तप्यते.....' सुभाषित अर्थसहित पूर्ण बोलिए। (५)
प्रश्न ७ 'देवाधिदेव' कविता पूर्ण बोलिए। (५)
प्रश्न ८ 'बारहवां बोल' पूर्ण बोलिए। (५)
प्रश्न ९ (१०)

सूचना – संकेत के अनुसार प्रकरण क्रमांक ११, १२, १४, १७ से जवाब ढूंढकर लिखिए।

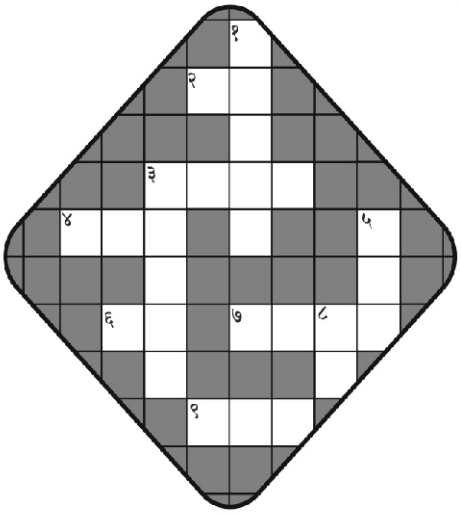

खडी चावी –

१. कौशल नरेश था
३. इनमें भारी उत्साह संचारित था
५. बिना पूछे न दे
८. मनुष्य का इस पर विशेष अधिकार है

आडी चावी –

२. प्रिय राजा को पाकर यह धन्य हो गई
३. कौशल में मनाया जा रहा था
४. अक्रूरता करती है
६. हर यह बोलने योग्य नहीं होता
७. सेवा में आना नहीं चाहिए
९. इन्सान इसे भूल जाता है

।। ॐ अर्हन् ।।

श्री तिलोकरत्न स्थानकवासी जैन धार्मिक परीक्षा बोर्ड

आचार्य श्री आनंदऋषिजी महाराज मार्ग, अहमदनगर – ४१४००१ (महाराष्ट्र)

जैन सिद्धान्त प्रवेशिका

वीर संवत् २५४९ **तृतीय खण्ड – लेखी**

सन् २०२३ **समय : सुबह ९ से १२** **सम्पूर्णांक : १००**

परीक्षा क्रमांक : ..... **केन्द्र का नाम : .....**

(जैन पाठावली – भाग ६)

प्रश्न १. एक शब्द में जवाब लिखिए। **(१२)**

१. Which Garbage stinks the a person's brain? .....

२. Who gave small things to Gopal? .....

३. तत्त्वों के ज्ञान से सम्यक्त्व किसने प्राप्त किया? .....

४. किसकी बात सुनकर कैप्टन कुक दंग रह गये? .....

५. वस्तु के विपरीत स्वरूप को मानना क्या है? .....

६. प्रशिक्षित श्रावकवर्ग को क्या कहते हैं? .....

७. श्रावकजी का तीसरा गुण कौनसा है? .....

८. मनुष्य की सबसे बड़ी पूंजी क्या है? .....

९. श्रावक किसका रसिक होता है? .....

१०. राम को क्या कहा जाता है? .....

११. किस का क्षेत्र सीमित है? .....

१२. शक्कर का गुण क्या है? .....

प्रश्न २. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए। **(१०)**

१. बीजी प्रार्थना ..... निरंजन, भंजन भव भव फेरा।

२. निर्भयता से जीवन जिए, ... की भीतर चाह।

३. गर्वरहित होवें ..... इसमें ही है सम्यक ज्ञान।

४. तन-मन-धन से, सब पीडा हरे ..... है वह।

५. स्थिरता हर कार्य में रहती, ... वृत्ति आये।

६. ..... है धर्म हमारा, केवली यह फरमाते हैं।

७. शरीर व्यापी ....., सुखद स्पर्श चाहे।

८. क्षमा और ....., जीवन का सार।

९. ओ ..... तू समझ जरा।

१०. ..... का करे स्मरण।

प्रश्न ३. सही है या गलत पहचानकर लिखिए। **(१२)**

१. तीर्थंकर के दाहिने पैर के अंगूठे पर लाञ्छन होता है। .....

२. सौम्य व्यक्ति में जीव के प्रति वैरभाव होता है। .....

३. साधु को असाधु श्रध्दे तो मिथ्यात्व होता है। .....

४. भूख से कुछ ज्यादा खाना ऊनोदरी तप है। .....

५. लोकप्रियता का पहला सूत्र है – सेवा। .....

६. श्रावकजी अहंकार सहित वचन बोलें। .....

७. पापभीरू आत्मा निर्भय होती है। .....

८. क्षुद्र व्यक्तिमत्व धर्म करता है। .....

९. श्रावक १२ व्रतधारी होता है। .....

१०. अक्रूर व्यक्ति निर्दय होता है। .....

११. सम्यक्त्व के पांच तत्त्व है। .....

१२. फलों का राजा आम है। .....

प्रश्न ४. सुभाषित के अर्थ को पूर्ण कीजिए। **(११)**

१. अत्यन्त क्लेश से संचित किया गया ..... क्रोध से नष्ट होता है।

२. जिसकी ..... वश में हैं, उसकी बुध्दि प्रतिष्ठित होती है।

३. ..... के उपर स्वनियंत्रण यही सबसे आवश्यक बात है।

४. ..... की भावना का होना, ये मानव का गुण है।

५. आश्रव ..... की बाढ ही निर्माण कर देता है।

६. ..... प्रकार के मनुष्य सदैव दुःखी रहते हैं।

७. ..... पुरुष परलोक में उत्तम गति पाते हैं।

८. पाप करनेवाला ..... का भागी होता है।

९. आत्मा की ..... करना यह सर्व श्रेष्ठ है।

१०. स्वाध्याय यह ..... का तप है।

११. आत्मा शान्त और ..... है।

प्रश्न ५. पांचों इंद्रियों के विषय एवं विकारों की संख्या लिखिए। **(१०)**

	इन्द्रिय	**विषय**	**विकार**
१.	.....	.....	.....
२.	.....	.....	.....
३.	.....	.....	.....
४.	.....	.....	.....
५.	.....	.....	.....

प्रश्न ६. चौदहवां बोल पूर्ण कीजिए। **(१०)**

चौदहवें बोले छोटी नव तत्त्व के ..... भेद

तत्त्व	जीव	अजीव	पुण्य	पाप	आश्रव
भेद	.....	.....	.....	.....	.....
तत्त्व	संवर	निर्जरा	बंध	मोक्ष	
भेद	.....	.....	.....	.....	

प्रश्न ७. जोडियां मिलाइए। **(१०)**

अ–स्तंभ		ब–स्तंभ	अ–स्तंभ	ब–स्तंभ
१. विशाल दृष्टि	अ.	धर्म की छांव	१.	.....
२. प्रकृति सौम्य	आ.	हृदय में धरें	२.	.....
३. सभी से प्यार	इ.	अनमोल धन	३.	.....
४. पाप से डरो	ई.	पर्युषण पर्व	४.	.....
५. पहले तोलो	उ.	Best Quality	५.	.....
६. सुंदर स्वभाव	ऊ.	निर्मल सृष्टि	६.	.....
७. आगम की वाणी	ए.	सच्चा उपहार	७.	.....
८. अनुकम्पा के स्पंदन	ऐ.	जीवन रम्य	८.	.....
९. Simplicity	ओ.	फिर बोलो	९.	.....
१०. पर्वाधिराज	औ.	पुण्यकार्य करो	१०.	.....

प्रश्न ८ अक्रूर एवं रूपवान् श्रावक की कोई भी ५ पहचान लिखिए। **(१०)**

अक्रूर श्रावक –

.....

.....

.....

.....

.....

.....

रूपवान् श्रावक –

.....

.....

.....

.....

.....

.....

प्रश्न ९ 'न तथा तप्यते,.....' सुभाषित अर्थसहित पूर्ण लिखिए। **(५)**

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

सूचना – संकेत के अनुसार प्रकरण क्रमांक ११, १२, १४, १७ से जवाब ढूंढकर लिखिए।

खडी चावी –

१. कौशल नरेश था

३. इनमें भारी उत्साह संचारित था

५. बिना पूछे न दे

८. मनुष्य का इस पर विशेष अधिकार है

आडी चावी –

२. प्रिय राजा को पाकर यह धन्य हो गई

३. कौशल में मनाया जा रहा था

४. अक्रूरता करती है

६. हर यह बोलने योग्य नहीं होता

७. सेवा में आना नहीं चाहिए

९. इन्सान इसे भूल जाता है

।। ॐ अर्हन् ।।

श्री तिलोकरत्न स्थानकवासी जैन धार्मिक परीक्षा बोर्ड

आचार्य श्री आनंदऋषिजी महाराज मार्ग, अहमदनगर – ४१४००१ (महाराष्ट्र)

जैन सिद्धान्त प्रवेशिका

वीर संवत् २५४९ **प्रथम खण्ड – मौखिक**

सन् २०२३ **समय : सुबह ९ से १२** **सम्पूर्णांक : ५०**

परीक्षा क्रमांक : ..... **केन्द्र का नाम : .....**

(जैन पाठावली – भाग ४)

प्रश्न १. एक शब्द में जवाब बताइए। **(५)**

१. हथेली के चक्र पर क्या लिखा है? .....

२. ५ जून को कौनसा दिन होता है? .....

३. हमारे आप्त पुरुष कौन हैं? .....

४. अक्षरों से क्या बनते हैं? .....

५. किसकी श्रध्दा दृढ थी? .....

प्रश्न २. ये क्या है, पहचानिए। **(५)**

१. शक्ति के अनुसार अणुव्रतों को ग्रहण करता है – .....

२. इसमें सभी मतों का स्वागत किया जाता है – .....

३. जिससे सभी जीव अभय को प्राप्त होते हैं – .....

४. इससे इन्द्रियों का दमन होता है – .....

५. जीवन का अनमोल रतन – .....

प्रश्न ३. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए। **(५)**

१. चाहें किरणें अलग-अलग हैं, फिर भी सबका एक ..... है।

२. When I ..... Something, I give it back.

३. सव्व साहूणं सब सुख दाता, तन मन को ..... बनाता है।

४. सिवा ..... के किसी के आगे, झुके नहीं माथा।

५. हर क्षेत्र में गूंजेंगे अब भगवान महावीर के .....।

प्रश्न ४. किसने कहां, बताइए। **(५)**

१. तुम सिर्फ एक बार जाओ, तुम्हारे ध्यान में आएगा। .....

२. कहीं जाने की तैयारी में हो? .....

३. जैन-जीवनशैली अपनायेंगे। .....

४. आप थोडी देर और रुकें। .....

५. पहले आप कहां थे? .....

प्रश्न ५. कैसे बोलें? कोई भी ५ Points बताइए। **(५)**

.....

.....

.....

.....

प्रश्न ६ 'दिवसेनैव तत् कुर्याद .....' सुभाषित अर्थसहित पूर्ण बोलिए। (५)
प्रश्न ७ 'हमें सिखलाओ' कविता पूर्ण बोलिए। (५)
प्रश्न ८ 'सातवां बोल' पूर्ण बोलिए। (४)
प्रश्न ९ (११)

सूचना – निम्नलिखित वाक्यों में से तीर्थंकर, गणधर, सतियां, के नाम ढूंढकर लिखिए।

जैसे –

माता पिता के साथ सुविधि नाथद्वारा घूमने गई थी। सुविधिनाथ

आचार्य हेमचन्द्र प्रभु वीर की स्तुति करते हैं। .....

राज कुमार ऋषभ देवगति का स्वरूप जान रहा है। .....

श्री सुप्रभ मुनि सुव्रत आचार्य के पास दीक्षित हुए। .....

चन्द्र की प्रभा सभी को शीतलता प्रदान करती है। .....

रविवार की सब्जीमंडी पुत्र को बहुत अच्छी लगती है। .....

कौन –सी तारीख को तुम्हारे यहां कार्यक्रम होगा? .....

शिवा जी महाराज ने १६ वर्ष की उम्र में जीत हासिल की। .....

सेवा से विश्वासु भद्रा ने मालिक का मन जीत लिया। .....

सम्राट मौर्य पुत्र के साथ घूमने के लिए गये। .....

राजा महापद्म प्रभु के दर्शन करने सभी के साथ गये। .....

पहले खेती का महसूल सालाना से होता था। .....

।। ॐ अर्हन् ।।

श्री तिलोकरत्न स्थानकवासी जैन धार्मिक परीक्षा बोर्ड

आचार्य श्री आनंदऋषिजी महाराज मार्ग, अहमदनगर – ४१४००१ (महाराष्ट्र)

जैन सिद्धान्त प्रवेशिका

वीर संवत् २५४९ **प्रथम खण्ड – लेखी**

सन् २०२३ **समय : सुबह ९ से १२** **सम्पूर्णांक : १००**

परीक्षा क्रमांक : ..... **केन्द्र का नाम : .....**

(जैन पाठावली – भाग ४)

प्रश्न १. एक शब्द में जवाब लिखिए। **(१०)**

१. व्यक्ति को आत्मतत्त्व की पहचान कौन कराता है? .....
२. धरती के सबसे सौन्दर्यशाली व्यक्ति कौन थे? .....
३. १४ पूर्व का अध्ययन कौन कर रहे थे? .....
४. हथेली के चक्र पर क्या लिखा है? .....
५. सिध्दशिला का आकार कैसा है? .....
६. ५ जून को कौनसा दिन होता है? .....
७. हमारे आप्त पुरुष कौन हैं? .....
८. अक्षरों से क्या बनते हैं? .....
९. किसकी श्रध्दा दृढ थी? .....
१०. जिन का अर्थ क्या है? .....

प्रश्न २. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए। **(१०)**

१. चाहें किरणें अलग-अलग हैं, फिर भी सबका एक ..... है।
२. When I ..... Something, I give it back.
३. सव्व साहूणं सब सुख दाता, तन मन को ..... बनाता है।
४. ..... का गोला फोडा, तिनका-तिनका मन का जोड़ा।
५. छोडकर सभी धर्मों को कैसे, हम ..... को अपनाएं?
६. ..... सुबह की ठंडी-ठंडी, सबके मन को भाती है।
७. हम सब मिलकर के सेवेंगे, नहीं जरा ..... देवेंगे।
८. सिवा ..... के किसी के आगे, झुके नहीं माथा।
९. हर क्षेत्र में गूंजेंगे अब भगवान महावीर के .....।
१०. सम्यक् चारित्र ..... करेगा हमारा संकल्प ।

प्रश्न ३. ये क्या है, पहचानिए। **(११)**

१. Who should be more concerned about? .....
२. इसकी आराधना से आत्मा सर्वज्ञ हो सकती है – .....
३. शक्ति के अनुसार अणुव्रतों को ग्रहण करता है – .....
४. इससे आत्मा सत्य की अनुभूति कर सकती है – .....
५. इसमें सभी मतों का स्वागत किया जाता है – .....
६. जिससे सभी जीव अभय को प्राप्त होते हैं – .....

७. जरूरतमंद को इसमें सहयोगी बनें – .....

८. संसार के सबसे महत्वपूर्ण व्यक्ति – .....

९. इससे इन्द्रियों का दमन होता है – .....

१०. इसके लिए यथाशक्ति तप करें – .....

११. जीवन का अनमोल रतन – .....

प्रश्न ४. सुभाषित का अर्थ पूर्ण कीजिए। **(११)**

१. याचना करने से देह में स्थित ..... देवता देह छोड़कर जाते हैं।

२. हीन लोगों की संगति से अपनी भी ..... हीन हो जाती है।

३. ..... का जिन्हें ज्ञान नहीं है उन्हें जिंदगी दीर्घ लगती है।

४. बार-बार पुण्य करने से मनुष्य की ..... बुद्धि बढती है।

५. आये हुए भय पर बिना ..... के प्रहार करना चाहिए।

६. ग्रंथ समझने वालोंसे भी अधिक ..... श्रेष्ठ है।

७. विविध धर्मपंथ एक ही ..... की सीख देते हैं।

८. किसी भी जीव को ..... का अनुभव न हो।

९. वृक्ष की सेवा तथा ..... करना चाहिए।

१०. सभी जीवों में ..... का विकास हो।

११. ..... से नाता रखनेवाले भी थोडे है।

प्रश्न ५. निम्न परिभाषा किसकी है, पहचानकर लिखिए। **(९)**

१. साक्षात् आत्मा से होनेवाला रूपी पदार्थ का विपरीत ज्ञान – .....

२. शब्द को सुनकर अर्थ को जाननेवाला मतिपूर्वक ज्ञान – .....

३. आंखों से होनेवाला पदार्थ का सामान्य बोध – .....

४. पदार्थ के विपरीत स्वरूप का कथन करना – .....

५. मन में विचार करने की शक्ति होना – .....

६. हमारे आहार को पचानेवाला शरीर – .....

७. अनेक रूप धारण करनेवाला शरीर – .....

८. कार्मण शरीर से होनेवाली क्रिया – .....

९. जीवनी शक्ति को कहते हैं – .....

प्रश्न ६. ये हमने किस पाठ से सीखा?, पहचानकर लिखिए। **(८)**

१. We should work hard to achieve our goals. .....

२. सुबह का समय जाप के लिए ज्यादा अच्छा होता है। .....

३. सामूहिक स्थान पर मंच के दायीं ओर फहराएं। .....

४. अहिंसा धर्म के पालन की प्रेरणा देता है। .....

५. गलती होने पर क्षमा मांग लेनी चाहिए। .....

६. तीर्थंकर के शिष्य गणधर होते हैं। .....

७. सौंदर्य प्रसाधन हिंसा से बनते हैं। .....

८. अपने आप में दृढता रखें। .....

प्रश्न ७. किसने किससे कहां, लिखिए। **(१०)**

१. तुम सिर्फ एक बार जाओ, तुम्हारे ध्यान में आएगा।

.....

२. कहीं जाने की तैयारी में हो?

.....

३. जैन-जीवनशैली अपनायेंगे।

.....

४. आप थोडी देर और रुकें।

.....

५. पहले आप कहां थे?

.....

प्रश्न ८. कैसे बोलें? कैसे चलें? के कोई भी ५-५ Points लिखिए। **(१०)**

कैसे बोलें?	**कैसे चलें?**
१.	१. .....
२.	२. .....
३.	३. .....
४.	४. .....
५.	५. .....

प्रश्न ९. मंत्रों का जाप कैसे और क्यों किया जाता है? लिखिए। **(३)**

.....

.....

.....

.....

.....

.....

प्रश्न १०. सातवां बोल पूर्ण लिखिए। **(२)**

.....

.....

.....

.....

.....

प्रश्न ११. 'दिवसेनैव तत् कुर्याद .....' सुभाषित अर्थसहित पूर्ण लिखिए। **(५)**

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

सूचना – निम्नलिखित वाक्यों में से तीर्थंकर, गणधर, सतियां, के नाम ढूंढकर लिखिए।

जैसे –

माता पिता के साथ सुविधि नाथद्वारा घूमने गई थी।
सुविधिनाथ

आचार्य हेमचन्द्र प्रभु वीर की स्तुति करते हैं।
.....

राज कुमार ऋषभ देवगति का स्वरूप जान रहा है।
.....

श्री सुप्रभ मुनि सुव्रत आचार्य के पास दीक्षित हुए।
.....

चन्द्र की प्रभा सभी को शीतलता प्रदान करती है।
.....

रविवार की सब्जीमंडी पुत्र को बहुत अच्छी लगती है।
.....

कौन –सी तारीख को तुम्हारे यहां कार्यक्रम होगा?
.....

शिवा जी महाराज ने १६ वर्ष की उम्र में जीत हासिल की।
.....

सेवा से विश्वासु भद्रा ने मालिक का मन जीत लिया।
.....

सम्राट मौर्य पुत्र के साथ घूमने के लिए गये।
.....

राजा महापद्म प्रभु के दर्शन करने सभी के साथ गये।
.....

पहले खेती का महसूल सालाना से होता था।
.....